Title: Need for creation of a Himachal Regiment and also for setting of a cantonment at Una in Himachal Pradesh.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी तथा पिछड़ा राज्य है। वहां बड़े उद्योग नहीं हैं। पहाड़ी प्रान्त होने के कारण वहां व्यापारिक गतिविधियां भी बहुत न्यून हैं। वहां की जनता फलोत्पादन एवं कृषि पर निर्भर करती है। देश की रक्षा सेनाओं में वहां से सबसे अधिक नौजवान भर्ती होकर अपनी मातृभूमि की रक्षा में संलग्न हैं। जितनी भी लड़ाइयां अभी तक हुई हैं उनमें हिमाचल प्रदेश के लोगों की सबसे ज्यादा शहादत रही है। वहां के रणबांकुरों ने अपने शौर्य एवं निष्ठा का परिचय हमेशा अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर करके दिया है। हिमाचल प्रदेश के लोगों के इस उत्साह को बनाए रखने एवं उसके संवर्धन के लिए यह आवश्यक है कि देश की रक्षा सेनाओं में एक " हिमाचल रेजीमेंट" की स्थापना की जाए। इससे न केवल हिमाचल के लोगों में सेना में भर्ती होने का जज़्बा और बढ़ेगा बल्कि यह देश के लिए भी शुभ होगा।

हिमाचल प्रदेश के लोगों की शूरवीरता के कारण ही जब सेना के जनरल श्री दयाल थे, तब जिला ऊना में एक सेना छावनी बनाने की बात सोची गई और उस पर कुछ कार्य भी हुआ लेकिन पता नहीं किन कारणों से वह काम आगे नहीं बढ़ सका। मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि गत वर्ष कारगिल में हुए संघर्ष में शहीद हुए रणबांकुरों को चार परमवीर चक्र दिए गए जिनमें से दो परमवीर चक्र हिमाचल प्रदेश के जांबाजों को मिले। इससे हिमाचल प्रदेश के लोगों की देश एवं अपनी मातृभूमि की रक्षा की ललक स्पष्ट होती है। ऐसी स्थिति में मेरी आपके माध्यम से मंत्री महोदय से विनम्र प्रार्थना है कि हिमाचल रेजीमेंट की स्थापना की जाए एवं वहां एक सेना छावनी बनाई जाये।